हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, मंगलवार, 13 मई 2025

तापमान
अधिकतम 40.4 डिग्री
न्यूनतम 20.7 डिग्री

11 नर्स केवल पेशा नहीं, बल्कि यह सेवा, त्याग ..

12 91 छात्राओं में हीमोग्लोबिन 8 से भी कम मिले

खबर संक्षेप

आज सुनी जाएगी बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतें

रोहतक। राजीव गांधी विद्युत भवन में सोमवार को बिजली उपभोक्ताओं की शिकायतों का शीघ्र निपटारा करने के लिए खुलादरबार को आयोजन किया जाएगा। यह जानकारी एसई बिजेंद्र नरवाल ने दी है। उन्होंने बताया कि सुबह 11 से एक बजे तक आयोजित होने वाली इस बैठक में 50 हजार रुपये से एक लाख रुपये तक बिजली बिल विवाद के उपभोक्ता अपनी समस्याओं को रख सकते है।

चोरीशुदा मोटरसाइकिल सहित आरोपी गिरफ्तार

रोहतक। पुलिस ने नाकाबंदी करते हुए युवक को चोरीशुदा बाइक सहित गिरफ्तार किया है। आरोपी को कोर्ट पेश अंकिया गया है। सांपला थाना प्रभारी बिजेंद्र सिंह ने बताया कि युवक चोरीशुदा बाइक सहित चुलियाणा की तरफ जा रहा है। सूचना के आधार पर कुलताना चौक फ्लाईओवर के पास नाकाबंदी करते हुए युवक को बाइक सहित काबू किया गया। युवक की पहचान मंदीप निवासी चुलियाना के रुप में हुई। जांच मे आरोपी से बाइक चोरी हुई मिली।

हत्या के मामले में पांच आरोप बरी

रोहतक। एएसजे शैलेंद्र सिंह की अदालत में 12 साल पहले हुए मनोज हत्याकांड में सुनवाई हुई। कोर्ट ने इस मामले में फैसला सुनाते हुए पांचों आरोपियों को बरी करने के आदेश जारी किए। आरोपित पक्ष की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता सुरेंद्र वर्मा ने पैरवी की। कोर्ट ने राजेश, नफे सिंह राठी, योगेश, दीपक और महिला को आरोप मुक्त किया है। नफे सिंह राठी की पहले ही मौत हो चुकी है। मामले के अनुसार, 15 जून 2013 को पुलिस को सूचना मिली कि मनीज कौशिक निवासी डीघल जिला झज्जर को गोली मारी गई है।

बेसहारा बच्चों को सरकार देती है वित्तीय सहायता

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि प्रदेश सरकार द्वारा 21 वर्ष तक की आयु के ऐसे बच्चों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाती है, जिनके माता-पिता की या तो मृत्यु हो चुकी है या माता-पिता को लंबी जेल हुई है अथवा उनके माता-पिता मानसिक व शारीरिक रूप से अक्षम है। सरकार द्वारा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग के माध्यम से एक परिवार के ऐसे दो बच्चों तक 1850 रुपए प्रतिमाह प्रति बच्चा पेंशन के रूप में वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाई जाती है। उपरोक्त स्कीम का लाभ लेने के इच्छुक व्यक्ति के पास बेसहारा होने का प्रमाण पत्र, बच्चों के जन्म प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज आवश्यक है।

दूषित पेजयल की सप्लाई पर तीन कॉलोनी वासियों का फूटा गुस्सा

वार्ड-7 पार्षद ने लोगों के साथ एसडीओ दफ्तर में दिया धरना

अधिकारी गिड़गिड़ाते रहे जल्द करेंगे समस्या का समाधान

- कॉलोनी के लोगों ने आरोप लगाया कि डीसी के कॉल के बाद भी नहीं हुई सुनवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पीने के पानी की समस्या को लेकर शहर में हा-हाकार मचा हुआ है। तीन कॉलोनियों में गंदे पानी आने के विरोध में गुस्साएं कॉलोनी निवासियों ने सोनीपत रोड स्थित एसडीओ कार्यालय में तीन घंटे तक धरना दिया। जिनका नेतृत्व खुद भाजपा नेता एवं वार्ड 7 के पार्षद कपिल नागपाल ने किया। हंगामा होते देख वरिष्ठ अधिकारी काफी देर तक कार्यालय ही नहीं आए। धरना खत्म नहीं हुआ तो उस कमरे की बिजली तक काट दी गई जिसमें धरना दिया गया था। काफी देर तक समझाने के बाद धरना खत्म किया गया। पार्षद और कॉलोनी के निवासियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो वह इस बार अधिकारियों के निवास स्थान के बाहर धरना देंगे। जानकारी के अनुसार, दोपहर 12 बजकर 15 मिनट पर महिलाओं, पुरुषों के साथ वार्ड 7 के पार्षद कपिल नागपाल ने एसडीओ कार्यालय में धरना देना शुरू किया। उन्हें बताया गया कि एसडीओ कहीं गए हुए हैं। इस दौरान एसडीओ के साथ कार्य करने वाले कर्मचारियों ने लोगों को समझाते रहे और कहते रहे कि जल्द वे लेबर मिलने पर काम शुरू कर दिया जाएगा। एक्सईएन संदीप कुमार और एसडीओ अनिल रोहिल्ला करीब दो बजे कार्यालय पहुंचे और धरने पर बैठे लोगों से बातचीत की। उन्होंने आश्वासन दिया कि गंदे पानी की शिकायत का निवारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा। जहां पाइप लाइन लगाई जानी है वहां एक माह में काम पूरा हो जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि लेबर की समस्या चल रही है। जल्द लेबर बुलाई जाएगी। एक्स्ट्रा कांट्रेक्टर बुलाकर कार्य करवाया जाएगा। इसके बाद जाकर लोग शांत हुए और करीब तीन बजे वापस चले गए।

तीन घंटे तक डटे रहे कॉलोनीवासी

रोहतक। धरना देते हुए वार्ड 7 पार्षद कपिल नागपाल ,महावीर कॉलोनी व साई दास कॉलोनी के लोग। फोटो : हरिभूमि

धरातल पर उतरे अधिकारी, नहीं तो घर पर देंगे धरना

पब्लिक हेल्थ डिपार्टमेंट के अधिकारी धरातल पर उतरकर काम करें। विभाग के अधिकारियों, कर्मचारियों को पता ही नहीं किस गली में कहां से पानी आता है, पाइप लाइन कहां पर दबी हुई है। कहीं भी खुदाई करवा कर आमजन को परेशान कर देते हैं। इसलिए अधिकारियों को गलियों में जाकर निरीक्षण कर समस्याओं का समाधान करवाना चाहिए। नहीं तो इस बार कार्यालय में नहीं उनके निवास स्थान के बाहर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। **-कपिल नागपाल**, वार्ड 7 पार्षद

डीसी ने 15 दिन पहले दिए थे कार्रवाई के आदेश

वार्ड पार्षद कपिल नागपाल ने बताया कि तत्कालीन उपायुक्त को मामले से अवगत करवाया गया था। इसके बाद उपायुक्त ने एसडीओ सहित अन्य अधिकारियों को आदेश जारी किए थे कि इन शिकायतों का तत्काल निवारण किया जाए। पब्लिक हेल्थ के अधिकारी आश्वासन देते रहे लेकिन काम नहीं किया गया।

रोहतक। जेई से बातचीत करते वार्ड 7 पार्षद कपिल नागपाल व अन्य।

ये रखी समस्याएं

धरने के दौरान पार्षद ने बताया कि किला मोहल्ला, कृष्णा कॉलोनी में काला पानी आता है। लोग आए दिन शिकायत कर रहे हैं। महावीर कॉलोनी की तीन और साई दास कॉलोनी की चार गलियों में एक साल से पानी नहीं आ रहा है जिससे लोग काफी परेशान हैं। इसके अलावा उनके वार्ड में कई एरिया में नई पाइप लाइन लगाई जानी हैं।

गांव पिलाना में वारदात

विवाद में महिला पर किया कुल्हाड़ी से हमला, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

गांव पिलाना में आपसी विवाद को लेकर आरोपी ने एक महिला पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। महिला के बेटे प्रमोद ने महिला को पीजीआई में भर्ती करवाया गया। इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू कर दी है। साथ ही पीड़ित की शिकायत पर केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। घायल महिला की पहचान गांव पिलाना निवासी 50 वर्षीय सुमन के रूप में हुई है। आरोपी परमानंद महिला का देवर है और भाई की मौत के बाद भाभी सुमन से शादी करना चाहता था। इसी रंजिश के चलते परमानंद और सुमन के बीच विवाद हो गया, जिसमें परमानंद ने सुमन पर कुल्हाड़ी से हमला कर उसे घायल कर दिया। घायल सुमन को पहले कलानौर अस्पताल और बाद में पीजीआई के ट्रोमा सेंटर में भर्ती करवाया गया।

की जा रही जांच

एक महिला पर जानलेवा हमले की सूचना मिली थी। सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल महिला के बेटे प्रमेंद्र की शिकायत पर उसके चाचा परमानंद के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस मामले में आरोपी परमानंद की तलाश कर रही है। **-राकेश, एसआई**, जांच अधिकारी, कलानौर

सेक्टर-1 में वारदात से सुरक्षा पर उठे सवाल

देर रात किआ में आए चोर रैंप पर खड़ी कार उड़ा ले गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

सेक्टर-1 से देर रात किआ सेल्टोस में सवार होकर आए चोरों ने रैंप पर खड़ी कार चोरी करके ले गए। यह पूरी वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। इसकी शिकायत सुबह कार मालिक ने पुलिस को दी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है। पीड़ित राकेश गोयल निवासी मंडी हिमाचल हाल सेक्टर-1 ने बताया कि उसके पास पिछले 3 साल से बलेनो कार है। रात को कार सेक्टर 1 में घर के बाहर रैंप पर खड़ी थी। रात करीब 2 बजे काले रंग की किआ सेल्टोस कार में सवार होकर और चोरी करके ले गए। राकेश गोयल ने बताया कि सीसीटीवी में दिखाई दे रहा है कि आरोपी काले रंग की सेल्टोस गाड़ी को उसकी गाड़ी के साथ में लगाते हैं।

की जा रही जांच

सेक्टर एक से गाड़ी चोरी होने की शिकायत मिली है। साथ ही एक सीसीटीवी फुटेज भी मिली है। पुलिस ने मामले में चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। सीसीटीवी के आधार पर चोरों की तलाश शुरू कर दी गई है। जल्द ही मामले को सुलझा लिया जाएगा। **-सतीश**, एएसआई, थाना अर्बन एस्टेट

पीजीआई के प्रोफेसर रमेश वर्मा पर कार सवार युवकों ने किया हमला

मेडिकल मोड पर कार में टक्कर के बाद वारदात को दिया अंजाम

- पुलिस ने कार चालकों के खिलाफ केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

मेडिकल मोड स्थित एक डॉक्टर की कार में दूसरे कार चालक युवकों ने टक्कर मार दी। इसके बाद कार चालक युवकों ने प्रोफेसर रमेश वर्मा पर हमला कर दिया। इसकी शिकायत प्रोफेसर रमेश वर्मा ने पीजीआई थाना पुलिस को दी। पुलिस ने केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

पीजीआई थाना पुलिस को दी शिकायत में प्रोफेसर रमेश वर्मा ने बताया कि वह सुभाष नगर का रहना वाला है। वह पीजीआई के सामुदायिक चिकित्सा विभाग में प्रोफेसर के पद पर कार्यरत है। शिकायत में बताया कि मैं सुबह घर से 8 बजे पीजीआई की तरफ जा रहा था। इसके बाद मैं अपनी पत्नी को डेंटल कॉलेज में गया। वहां से 9:15 बजे फ्री होकर मैं अपनी पत्नी को घर छोड़ने गया। करीब 9:30 बजे मैं अपने घर से चला तो जैसे ही मैं मेडिकल मोड के पास पहुंचा तो पीछे से मेरी गाड़ी को किसी ने टक्कर मार दी। मैंने गाड़ी को रोका तो अचानक गाड़ी से कुछ युवक बाहर आए, तो मेरे सिर में डंडा से चोट मारी दी। इसके बाद आसपास के राहगीरों ने पीजीआई में भर्ती करवाया। पुलिस ने कार चालकों के खिलाफ केस दर्ज करके मामले की जांच शुरू कर दी है।

रोहतक। पीजीआई में उपचाराधीन प्रोफेसर रमेश वर्मा।

महमः आंधी में पेड़ गिरने से बाइक सवार किसान की मौत

- जितेंद्र बेडवा रोड पर स्थित खेत में गया था

महम। सैमाण गांव में बेडवा रोड पर आंधी के दौरान पेड़ गिरने से बाइक सवार एक युवा किसान की दर्दनाक मौत हो गई। चार दिन पहले सैमाण गांव का 31 वर्षीय किसान जितेंद्र पुत्र राजेश अपने बेडवा रोड पर स्थित खेत में गया हुआ था। देर शाम जब वह मोटर साइकिल पर वापस घर लौट रहा था, तो आंधी की वजह से अचानक एक पेड़ टूटकर सड़क पर गिर गया। किसान जितेंद्र की बाइक सड़क पर गिरे पेड़ से टकरा गई। इस हादसे में वह गंभीर रूप से घायल हो गया। उपचार के लिए उसे रोहतक के अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सोमवार को उपचार के दौरान किसान ने दम तोड़ दिया। मृतक विवाहित है और उसके दो बच्चे भी हैं। युवा किसान की मौत की सूचना मिलते ही पूरे गांव में मातम छा गया।

सुनवाई अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने अधिकारियों को दिए निर्देश

समाधान शिविरों में सभी शिकायतों को गंभीरता से लेकर जल्द निपटारा करें

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि वे समाधान शिविर तथा समाधान शिविर की समीक्षा में उपस्थिति सुनिश्चित करें। समाधान शिविर में प्राप्त हो रही प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए यथाशीघ्र निपटारा सुनिश्चित किया जाए। अधिकारी लंबित शिकायतों का भी शीघ्र निपटारा करें। कुमार सोमवार को लघु सचिवालय स्थित सभागार में नगर निगम के संयुक्त आयुक्त भूपेंद्र सिंह, जिला विकास एवं पंचायत अधिकारी राजपाल चहल के साथ समाधान शिविर में नागरिकों की शिकायतों की सुनवाई कर रहे थे।

रोहतक। समाधान शिविर में लोगों की समस्याएं सुनते एडीसी नरेंद्र कुमार।

एडीसी ने शिकायतों की सुनवाई के उपरांत अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक सोमवार व वीरवार को आयोजित किए जा रहे समाधान शिविरों में उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए सभी शिकायतों को गंभीरता से लेकर जल्द निपटारा करें। उन्होंने शिकायतकर्ताओं का आह्वान किया कि वे अपनी समस्या या शिकायत को साधारण कागज पर हाथ से लिखकर लाएं। समाधान शिविर में कंप्यूटर से शिकायत टाइप करवाकर लाना अनिवार्य नहीं है। एडीसी ने कहा कि समाधान शिविरों की समीक्षा के दिन सप्ताह के प्रत्येक शुक्रवार भी अधिकारी समीक्षा बैठक में उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर की लंबित शिकायतों का यथासंभव शीघ्र निपटान करें। समाधान शिविर में नगर निगम, विकास एवं पंचायत, राजस्व, पशुपालन, शिक्षा, पुलिस, परिवार पहचान पत्र इत्यादि विभागों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुई, जिनके निपटारे के लिए मौके पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

क्यू सेल्टरों पर रूट व समय सारणी चस्पाएं

अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने परिवहन विभाग के परिवहन प्रबंधक को निर्देश दिए कि शहर में संचालित सिटी बस सेवा के रूट व समय-सारणी की सूची शहर में स्थित सभी बस क्यू सेल्टरों पर चस्पा करवाए ताकि नागरिकों को सिटी बस सेवा के रूट व समय सारणी की जानकारी मिल सके।

हरिभूमि सहेली

विशेष
अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस, 15 मई

परिवार से दूर रहकर सुखी जीवन की चाहत रखना एक बहुत बड़ी भूल है। परिवार वो छाया है, जो संकट की तपती धूप में हमें शीतलता देता है, हमारा संबल बनता है। इसलिए जरूरी है हम हमेशा पारिवारिक मूल्यों को बनाए रखें। परिवार के लोग प्रेम-स्नेह से बंधे रहें।

परिवार का प्रेम-स्नेह जीवन का है आधार

आवरण कथा
डॉ. मोनिका शर्मा

परिवार को जीवन की पहली पाठशाला कहा जाता है। पीढ़ी-दर-पीढ़ी चलती आ रही यह मान्यता हर इंसान को मानवीय मूल्यों से जोड़कर रखती है। विचार-व्यवहार के मोर्चे पर जीवन को साधने का पाठ पढ़ाती है। अपनों के साथ संबल का ठिकाना कहे जाने वाले परिवार में ही तो एक छत के नीचे रहकर सुख-दुख साझा किया जाता है। हर उतार-चढ़ाव में जिंदगी से जुड़े रहने की हिम्मत बनी रहती है। परिवार, समाज की सबसे छोटी इकाई है जरूर, लेकिन समाज की बुनियाद को मजबूती देने में इस इकाई के मायने बहुत अहम हैं। समाज को बनाने और बनाए रखने में परिवार की अहमियत हमेशा से रही है, लेकिन अब परिवार के मूल स्वरूप में बिखराव साफ दिखने लगा है। यही वजह है कि हर साल घर-आंगन से जुड़े बहुत से विषयों पर विमर्श के लिए अंतरराष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। परिवार दिवस को पारिवारिक ताना-बाना सहेजने की कोशिश के रूप में देखा जाता है।

मानवीय समझ को पोषण

पारिवारिक खुशहाली का समाज के निर्माण में महत्वपूर्ण रोल होता है। दुनिया के हर हिस्से में परिवार ही समाज के भावी नागरिक को इंसानियत का पाठ पढ़ाता है। बुजुर्गों को स्नेह-सुरक्षा का साया मिलता है। युवा परिवार में सही मार्गदर्शन पाते हैं। रिश्तों के ताने-बाने का यह बंधन हर उम्र के लोगों को कुछ न कुछ देता ही है। यों भी जिंदगी का हर सबक अपने परिवार में ही सीखा जाता है। अपने आंगन में मिली सीख से ही आगे चलकर नई पीढ़ी का व्यक्तित्व पूर्णता पाता है। परिवार ही बड़ों की संभाल और देखभाल का आधार बनता है। हमारे फैमिली सिस्टम में मौजूद यह आपसी जुड़ाव, जो मजबूत पृष्ठभूमि बनाता है, वह हर परिस्थिति में मन-जीवन को थामती है। पारिवारिक व्यवस्था सही मायने में हमारे जीवन का आधार स्तंभ है। परिवार में साथ-साथ रहना, सुख-दुख साझा करने की सोच, अपनेपन के भाव हमें आपस में दिल से जोड़े रखते हैं। हर तरह से एक-दूसरे के साथ समन्वय और सहयोग भरा भाव ही पारिवारिक संबंधों का संबल है। परिवार में खुशियों और जिम्मेदारियों का एक अनोखा मेल होता है, जो सभी को आपस में बांधे रहता है। यही बंधन हमें अच्छे-बुरे वक्त में थामने का काम करते हैं। बड़ों को मान और बच्चों को मनुहार परिवार में ही मिल सकती है। हमारे यहां हर तबके के परिवारों में यही स्नेहपूरित सोच रही है। जीवन को साधने-समझने वाले हर मानवीय भाव-चाव को परिवार ही पोसता आया है।

बिखरता ताना-बाना सहेजने के प्रयास

हालिया वर्षों में टूटते-बिखरते परिवारों का बढ़ता आंकड़ा चिंता का विषय बन गया है। दुनिया के हर समाज में परिवार के महत्व को रेखांकित किए जाने के बावजूद पारिवारिक ढांचा बिखर रहा है। कहीं बच्चे अकेले छूट रहे हैं तो कहीं बुजुर्ग स्नेह-साथ को तरस रहे हैं। बहुत से युवा शादी कर परिवार बसाना ही नहीं चाहते तो कई कपल्स शादी के बाद अपने रिश्ते को बिखरने से नहीं बचा पा रहे हैं। दुनिया भर में पारिवारिक सुदृढ़ता के लिए सराहे जाने वाले हमारे देश में भी अब तलाक के मामले बढ़े हैं। अपनों के साथ ही बर्बरता करने के मामले भी आए दिन सामने आते हैं। बदलती लाइफस्टाइल के चलते परिवार छोटे होते जा रहे हैं। जीवन की आपा-धापी में इतना कुछ नया जुड़ रहा है कि परिवार और अपने ही पीछे छूट रहे हैं। पारिवारिक कलह के चलते लोग अपनों की जान लेने से भी नहीं चूक रहे। भावनाओं से भरे जुड़ाव पर स्वार्थी सोच हावी हो रही है। वर्चुअल दुनिया में अंजान चेहरों से जुड़ने के इस दौर में अपनों की उपेक्षा की संस्कृति पनप रही है। यही वजह है कि पारिवारिक मूल्यों को सहेजने के लिए कोशिशें जरूरी हैं। बदलते हालातों से जुड़ी सजगता लाने, परिवार के प्रति लोगों में लगाव को बढ़ाने और इस संस्था की अहमियत बताने के लिए ही इंटरनेशनल फैमिली-डे मनाया जाता है। हर साल यह दिन एक खास थीम के साथ सेलिब्रेट किया जाता है। वर्ष 2025 की थीम 'सतत विकास के लिए परिवार-उन्मुख नीतियां-सामाजिक विकास के लिए दूसरे विश्व शिखर सम्मेलन की ओर' रखी गई है। जिसका उद्देश्य समाज के डेवलपमेंट के लिए परिवार की बेहतरी से जुड़ी पॉलिसीज पर फोकस करना है। साथ ही यह विषय फैमिली सिस्टम से जुड़ी मौजूदा नीतियों और मुद्दों के एनालिसिस और रिव्यू से भी जुड़ा है। समझना मुश्किल नहीं कि मौजूदा पॉलिसीज को समझकर ही भविष्य में पारिवारिक मूल्यों को बेहतर बनाने की राह तलाशी जा सकती है।

अपनों का प्रेम-साथ-स्नेह अनमोल

असल में व्यवस्थागत प्रयासों के साथ हमें भी परिवार से जुड़ाव के अर्थ को समझना होगा। सब कुछ बनाने-जुटाने के फेर में गांवों से लेकर मेट्रो सिटीज तक लोग यह भूल रहे हैं कि परिवारजनों के बीच साझे सुख-दुःख की भावना ही रीत रही है। आज भावनात्मक दूरियां बढ़ रही हैं। ऐसे में हमें याद रखना होगा कि परिवार के सभी सदस्यों को भावनाओं की डोर से बंधे रहना चाहिए। अपनों का साथ हर किसी के मन को छोटी से छोटी खुशी में भी अनमोल सुख देता है। रिश्तों का यह ताना-बाना स्नेह बांटना भी सिखाता है और खुशियों को जीना भी। फाइनेंशियल परेशानी हो या बीमारी, अपने ही तो हर कष्ट में साथ खड़े नजर आते हैं। इतना ही नहीं अपनों का साथ पाकर हर तरह के दुःख से जूझने की शक्ति भी मिलती है। कई समस्याएं दिलो-दिमाग को विचलित किए बिना ही हल हो जाती हैं। संबल और सुख का यह परिवेश परिवारजनों के साथ रहकर ही संभव है। तीज-त्योहारों की रौनक भी अपनों के साथ से ही होती है। मन में उत्साह-उमंग जगाने वाली खुशियां, परिवार के साथ बिना अधूरी-सी लगती हैं। घर-परिवार से मिलने वाला सुख-समर्पण का यह भाव ही हमें समाज और देश से जोड़ता है। समझना मुश्किल नहीं कि स्ट्रेस, डिप्रेशन और अकेलेपन से जूझते लोगों के आंकड़े में इजाफे का एक कारण पारिवारिक टूटन भी है। अपनी जड़ों से जुड़ाव रखना हो या मन-जीवन की जद्दोजहद का सामना करना, परिवार का साथ बहुत मायने रखता है। अपनों के बीच अनमोल साथ स्नेह को कायम रखने वाली कुटुंब व्यवस्था की भूमिका सुरक्षा, सेहत और संभाल हर पहलू पर अहम है।

दुख बांटने का सुख एक मानवीय अनुभव

सुख-दुख हर किसी के जीवन में आते हैं। लेकिन दुख साझा करने से उसे सहना थोड़ा आसान हो जाता है। इसलिए घर-परिवार में या कोई भी जानने वाला अगर दुख में दिखे तो उसका सहारा बनें, उसका दुख जरूर बांटें।

संवेदना
यशोधरा भटनागर

रहीम का एक दोहा है- रहिमन निज मन की बिथा, मन ही राखो गोय/ सुनि अठिलैहैं लोग सब, बांटि न लैहैं कोय।। इस दोहे का मतलब है कि अपने मन के दुख को मन में ही रखना चाहिए। दूसरों का दुख सुनकर लोग इठला भले ही लें, लेकिन उसे कम करने वाला कोई नहीं होता। साथ ही, लोग दूसरे का कष्ट सुनकर उसका उपहास भी उड़ाते हैं। वहीं दूसरी ओर यह भी कहा जाता है कि दुख बांटने से कम होता है। सच ही है, दुखों को हल्का करने के लिए, सिर रख कर रोने के लिए एक कंधा मिल जाए तो दुख कम तो नहीं होता पर एक ऐसा एहसास जुड़ जाता है, जो व्यक्ति के लिए संबल बन जाता है और वह दुख का सामना करने की शक्ति पा जाता है।

जीवन को गतिमान बनाते हैं सुख-दुखः मनुष्य का जीवन सुख और दुख के द्वंद्व में सदा गतिमान रहता है। सुख हमें आनंद देता है, परंतु दुख हमारी सहनशीलता, हमारे रिश्तों और हमारे भीतर छुपे मानवीय गुणों की परीक्षा लेता है। दुख एक ऐसा अनुभव है, जिसे यदि अकेले सहा जाए तो वह भारी लगता है, लेकिन यदि इसे किसी के साथ बांटा जाए, तो यह हल्का लगता है, एक अनोखे सुख का भी रूप ले लेता है। यह सुख गहरे मानवीय संबंधों और सहानुभूति के मूल्य को दर्शाता है। इसलिए हमें अपने आस-पास के लोगों का दुख बांटना चाहिए, दुखी व्यक्ति को अकेले नहीं छोड़ देना चाहिए। अस्सी वर्षीया शांति देवी की आंखें उस दिन बार-बार बरस रही थीं। पति का जन्मदिन जो था। भावों का तीव्र प्रवाह हृदय को उद्वेलित कर रहा था। सात बरस हो गए पति के देहांत हुए, लेकिन आज भी वह आस-पास ही महसूस होते हैं। शांति देवी पल भर भी उन्हें भुला नहीं पाई हैं। पहाड़-सा दुख मन पर डटा खड़ा है। दीवारों से घिरी वो अकेली हैं, नितांत अकेली। वे दीवारों से ही बतियाती हैं। दीवारें मौन हैं और दुख का पहाड़ उतना ही बड़ा। यह आज के समाज का विद्रूप-कुरूप चेहरा है।

कम होता है भावनात्मक बोझः दुख एक मानसिक और भावनात्मक बोझ है। इसे बांटने की प्रक्रिया न केवल इस बोझ को हल्का करती है, बल्कि उसमें छुपे तनाव, अकेलेपन और हताशा को भी कम करती है। यह वही प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपने भीतर के भावों को शब्दों के माध्यम से बाहर निकालता है। एक सच्चे मित्र या हमदर्द के साथ ऐसा करने से व्यक्ति को यह विश्वास होता है कि कोई उसे समझ रहा है, उसकी पीड़ा में शामिल है। यह विश्वास ही उसे मानसिक और भावनात्मक सुकून देता है।

दुख सुनाने और सुनने वाले बंधते हैं अदृश्य बंधन मेंः हर व्यक्ति को जीवन में ऐसे किसी साथी की आवश्यकता होती है, जो उसके दुख को सुन सके, उसे समझ सके। मित्रता और हमदर्दी इस प्रक्रिया में केंद्रीय भूमिका निभाती हैं। एक सच्चा मित्र न केवल हमारे सुख के पलों का सहभागी होता है, बल्कि हमारे दुख के समय एक आश्रय भी बनता है।

मिलती है आंतरिक संतुष्टिः जब हम किसी के साथ अपना दुख साझा करते हैं, तो हमें एक आंतरिक संतुष्टि मिलती है। यह संतोष इस बात का प्रतीक है कि हमने अपने भावनात्मक बोझ को हल्का किया है।

प्रॉपर मेकअप से मिलेगा अट्रैक्टिव लुक

मेकअप
शहनाज हुसैन, कॉस्मेटोलॉजिस्ट

आकर्षक-खूबसूरत दिखने के लिए आप हर पॉसिबल स्टेप फॉलो करती हैं। अगर किसी पार्टी में जाना हो तो स्टाइलिश ड्रेस चुनती हैं, ताकि सबसे अलग दिखें। लेकिन अच्छी ड्रेस भी आपकी ब्यूटी को तभी उभारता है, जब मैचिंग मेकअप अप्लाई किया जाए। हालांकि मेकअप तो सभी महिलाएं करती हैं लेकिन सही तरीके से किया गया मेकअप ही आपके लुक को निखार सकता है। इसके लिए जरूरी है कि आपको मेकअप करने का सही तरीका पता हो। अगर आप मेकअप करने से पहले यह तय ही नहीं कर पाती हैं कि आपको किस तरह का मेकअप करना है और कैसा मेकअप आप पर अच्छा लगेगा, तो हम आपको सिंपल लेकिन इंप्रेसिव मेकअप स्टेप्स के बारे में यहां बता रहे हैं।

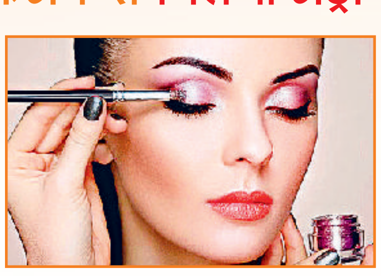

बेस तैयार करेंः मेकअप बेस तैयार करने के लिए आपको सबसे पहले प्राइमर लगाना चाहिए। इसके बाद चेहरे पर फाउंडेशन लगाएं और फाउंडेशन का चुनाव हमेशा अपनी स्किन टोन से एक टोन अपर शेड का सेलेक्ट करें। इसके बाद आप फेस पावडर लगाएं। अगर आप गालों को हाईलाइट करना चाहती हैं, तो पीच ब्लश ऑन का भी इस्तेमाल करें। इस बात का भी ध्यान रखें कि फाउंडेशन लगाने के बाद गीले स्पंज को चेहरे पर डैब करें, ताकि फाउंडेशन अच्छे से ब्लेंड हो जाए।

आई मेकअपः निखरी खूबसूरती पाने के लिए आंखों का परफेक्ट मेकअप भी बहुत मायने रखता है। अच्छा आई मेकअप आपके पूरे लुक को बेहतर बनाने में मददगार साबित हो सकता है। इसके लिए आपको सबसे पहले आंखों के आस-पास की स्किन और पलकों के ऊपरी हिस्से पर बेस तैयार करना चाहिए और प्राइमर और फाउंडेशन लगाना चाहिए। आप आंखों को यदि बड़ा दिखाना चाहती हैं, तो लाइट आईशैडो का इस्तेमाल करना चाहिए। आप काजल और आईलैशेज का भी इस्तेमाल कर सकती हैं।

लिपस्टिकः लिपस्टिक का चुनाव करते वक्त इस बात का ध्यान रखें कि डे पार्टी में लाइट और न्यूड शेड्स की लिपस्टिक कैरी करें और नाइट पार्टी में डार्क रेड, ब्राउन या फिर डार्क पिंक कलर की लिपस्टिक अप्लाई करें। होंठों के आकर्षण के लिए लाइट और नेचुरल कलर्स का उपयोग करना चाहिए। ज्यादा डार्क या ब्राइट कलर लगाने से परहेज करना चाहिए। लिपस्टिक की रंगत चुनते समय अपनी स्किन शेड को जरूर ध्यान में रखें। अगर आपकी स्किन टोन में पीलापन है तो ऑरेंज कलर की लिपस्टिक से परहेज करें। डस्की स्किन के लिए यलो कलर की लिपस्टिक से परहेज करें। गर्मियों में सामान्य त्वचा के लिए हल्के रंग बेहतर लगते हैं, लेकिन सांवली रंगत के लिए चमकीले रंग बेहतर होंगे। आप डार्क यलो शेड्स का प्रयोग भी कर सकती हैं। रात में होंठों से लिपस्टिक हटाना न भूलें। लिपस्टिक के बचे रंग होंठों को सूखा कर सकते हैं।

तब आपका मन नहीं होगा बीमार

आजकल अनेक महिलाएं कई वजहों से अलग-अलग मनोरोगों की शिकार हो रही हैं। क्यों होता है ऐसा, इसके लक्षणों को कैसे पहचानें और इससे बचाव के लिए किन बातों का ध्यान रखना चाहिए? यहां बता रहे हैं डिटेल में।

मेंटल हेल्थ
डॉ. विपुल रस्तोगी
सीनियर साइकिएट्रिस्ट, गुरुग्राम

आज लोगों की जीवनशैली में व्यस्तता इतनी ज्यादा बढ़ रही है कि उनके पास खुद पर ध्यान देने और अपने परिवार के सदस्यों से भी बातचीत करने का समय नहीं होता है। इस तनावपूर्ण जीवनशैली के प्रभाव से महिलाएं भी अछूती नहीं हैं। इस दबाव की वजह से हमेशा उनका मन अशांत और उदास रहता है, वे स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी मनोवैज्ञानिक समस्याओं की शिकार हो जाती हैं। इनके बारे में आपको पता होना चाहिए।

मेंटल स्ट्रेसः पुराने समय की तुलना में आज की महिलाओं का जीवन ज्यादा मुश्किलों से भरा है। संयुक्त परिवार तेजी से टूट रहे हैं और शहरों में न्यूक्लियर फैमिली की संख्या बढ़ती जा रही है। ऐसी स्थिति में होममेकर्स के आस-पास कोई ऐसा व्यक्ति नहीं होता, जिसके साथ वे अपने मन की बातें शेयर कर सकें। इसकी वजह से उनका तनाव बढ़ने लगता है।

प्रमुख लक्षणः उदासी, चिड़चिड़ापन, थकान, अनिद्रा, ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई, कार्य क्षमता का घटना और निराश हो जाना इसके प्रमुख लक्षण हैं।

बचाव-उपचारः नए लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, प्रियजनों के साथ मन की बातें शेयर करें, म्यूजिक सुनें, बागवानी या स्पोर्ट्स जैसी एक्टिविटीज में अपनी सक्रियता बढ़ाएं। नियमित रूप से योग और प्राणायाम करें। सही ढंग से टाइम मैनेजमेंट करते हुए अपनी दिनचर्या को व्यवस्थित रखें। अगर इन प्रयासों के बावजूद तनाव कम न हो तो मनोवैज्ञानिक से संपर्क करें।

एंग्जायटीः यह ऐसी मनोदशा है, जिसमें अत्यधिक चिंता, डर या बेचैनी महसूस होती है। खान-पान की गलत आदतों के कारण होने वाले हार्मोन संबंधी असंतुलन भी इसके लिए जिम्मेदार हैं।

प्रमुख लक्षणः मन में बार-बार नकारात्मक विचार आना, हमेशा सशंकित रहना, वर्तमान को छोड़कर भविष्य के बारे में लगातार सोचते रहना, खुद को लाचार महसूस करना, दिल की घड़कन तेज होना, पसीना आना, थकान और सांस लेने में तकलीफ होना।

बचाव-उपचारः सोने-जागने का समय सुनिश्चित करें, जब मन परेशान हो तो गहरी सांस लें, योग और ध्यान करें, करीबी लोगों के साथ इस समस्या के बारे में खुलकर बातचीत करें, हमेशा अच्छा सोचें और मोटिवेशनल किताबें पढ़ें। इन प्रयासों के बावजूद अगर आपकी मनोदशा में कोई बदलाव न आए तो एक्सपर्ट से सलाह लें।

डिप्रेशनः अगर किसी व्यक्ति के मन में उदासी और जीने से अरुचि की भावना लंबे समय तक बनी रहे, तो ऐसी मनोदशा को डिप्रेशन कहा जाता है। आजकल महिलाओं में यह समस्या तेजी से बढ़ रही हैं।

प्रमुख लक्षणः अकेलापन और खालीपन महसूस करना, ज्यादा सोना या अनिद्रा, ओवर ईटिंग या भूख न लगना, हीन भावना, आत्मविश्वास में कमी, डिप्रेशन के लक्षणों में शामिल हैं।

बचाव-उपचारः अपनी रुचि से जुड़े कार्यों में स्वयं को व्यस्त रखें, खुशमिजाज लोगों से दोस्ती बढ़ाएं, कॉमेडी शोज देखें, बच्चों के साथ वक्त बिताएं, घूमने-फिरने जाएं, धार्मिक गतिविधियों में शामिल हों, बागवानी करें या घर में कोई पालतू जानवर रखें। ऐसे छोटे-छोटे प्रयास डिप्रेशन दूर करने में मददगार होते हैं। जरूरत महसूस होने पर साइकिएट्रिस्ट से सलाह लें।

प्रस्तुतिः विनीता

आप नया घर बनवा रही हैं या पुराने घर का रिनोवेशन करवा रही हैं तो आप जरूर किचेन को भी आकर्षक डिजाइन में देखना चाहेंगी। इसलिए हम आपको यहां बता रहे हैं, कुछ मॉडर्न किचेन डिजाइंस के बारे में।

अट्रैक्टिव-कंफर्टेबल मॉडर्न किचेन डिजाइन

इंटीरियर
रेणु लैसी फ्रांसिस

हर घर में रसोई यानी किचेन का खास महत्व होता है। यहीं पर आप पूरे परिवार के लिए खाना-नाश्ता बनाती हैं। होम मेकर्स के दिन का काफी समय यहीं बीतता है। इसलिए इसका इंटीरियर न केवल आकर्षक बल्कि सुविधाजनक भी होना चाहिए। हालांकि पुराने दौर में घरों में जिस तरह के किचेन हुआ करते थे, आज उसके स्वरूप में काफी बदलाव हुए हैं। जैसे-जैसे तकनीक में सुधार हुआ, किचेन में सुविधाएं भी बेहतर होती गई हैं। आजकल मॉड्यूलर किचेन महिलाओं की पहली पसंद बन रही है। नए इंटीरियर ट्रेंड में किस तरह के किचेन पसंद किए जा रहे हैं, आप जरूर जानना चाहेंगी।

ओपन किचेनः आजकल विदेशों की तरह अपने यहां भी घरों में ओपन किचेन लोगों की पहली पसंद बनता जा रहा हैं। यह डायनिंग रूम और हॉल के साथ ही बनाए जाते हैं। ओपन किचेन में कोई दरवाजा नहीं होता, यह बिल्कुल खुला हुआ होता है। चारों तरफ से रोशनी और हवा आती रहती है। आप इस किचेन में काम करते हुए अन्य लोगों से बातचीत भी कर सकती हैं। आप किसी इंटीरियर डिजाइनर की सलाह से ओपन किचेन बनवा सकती हैं।

वाल किचेनः छोटी जगह के लिए वाल किचेन एक अच्छा ऑप्शन है। आजकल लोग एक दीवार वाला किचेन ज्यादा बनवाना पसंद कर रहे हैं। आप रसोई के सामानों को एक दीवार के साथ व्यवस्थित रख सकती हैं। जिससे सब कुछ आसानी से एक ही जगह मिल जाता है। किचेन में सामानों को स्लाइडिंग दरवाजे के पीछे या कैबिनेट के भीतर रखा जा सकता है। आप एक सामान के ऊपर दूसरा सामान भी रख सकती हैं, जिससे छोटी जगह का भी उपयोग ईजीली हो जाता है।

एल शेप किचेनः आजकल एल शेप के किचेन भी काफी बनवाए जा रहे हैं। यह छोटी और बड़ी दोनों जगहों पर आसानी से बन जाता है। इसमें आप कम जगह में ज्यादा सामान को आसानी से स्टोर कर सकती हैं। कुकिंग एरिया और स्टोर को अलग दो भाग में बनाने के लिए आजकल एल शेप के किचेन ज्यादा बनाए जा रहे हैं। एक तरफ खुली जगह जहां आप खाना बना सकती हैं। दूसरे भाग में आप सामान रख सकती हैं। अगर आपके पास छोटा किचेन स्पेस है तो एल शेप का किचेन बनवा सकती हैं।

पैरेलल किचेनः ऐसा किचेन कम जगह में आसानी से बन जाता है। अगर आपके घर में स्मॉल गैलरी जैसा शेप है तो आप यहां पैरेलल किचेन बनवा सकती हैं और किचेन को क्लासिक लुक भी दे सकती हैं। पैरेलल किचेन में एक समय में एक से अधिक व्यक्ति काम नहीं कर पाते हैं।

यू शेप किचेनः आपके घर में ज्यादा और बड़ी जगह है तो आप यू शेप का किचेन बनवा सकती हैं। इसमें आपको स्पेशियस स्टोरेज की सुविधा मिलेगी। यू शेप के किचेन में आप आसानी से सिंक, कुकटॉप, ओवन और रेफ्रिजरेटर को रख सकती हैं। यू शेप के किचेन में दो-तीन लोग आराम से एक साथ काम कर सकते हैं। आपका परिवार बड़ा है तो यू शेप किचेन को बनवाने में ही समझदारी है।

(इंटीरियर डिजाइनर वरिजा बजाज से बातचीत पर आधारित)

खबर संक्षेप

सामान्य अस्पताल में दवाईयां भेंट की

रोहतक। भारत विकास परिषद द्वारा भिन्न-भिन्न स्थानों पर लगाए गए मेडिसन बॉक्स के द्वारा एकत्रित की गई। मेडिसन को आवश्यकता के अनुसार धार्मिक संस्थाओं के द्वारा निशुल्क डिस्पेंसरी एवं सिविल अस्पताल में पहुंचा जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को सामान्य अस्पताल रोहतक में क्षेत्रीय संयोजक उत्तर क्षेत्र 2 (पर्यावरण) अशोक कुमार गुप्ता ने डॉक्टर रेनू एवं उनके स्टाफ को दवाइयां सौंपी। डॉ. रेनू ने भारत विकास परिषद के सेवा कार्य की सराहना की।

प्राची सैनी ने जीता गोल्ड, किया सम्मानित

सांपला। खंड के गांव कुलताना निवासी सैनी ने खेलो इंडिया में गोल्ड मेडल जीत कर गांव व प्रदेश का नाम रोशन किया। उनकी जीत की खुशी में अभिभावकों ने मिठाइयां बाटकर खुशी मनाई। हाल बिहार में खेलो इंडिया खेल प्रतियोगिता चल रही है। प्राची श्रेणी ने तलवारबाजी में भाग लिया था। जिन्होंने सोमवार को हुए मुकाबले में गोल्ड मेडल जीता। गोल्ड मेडल जीतने की खबर मिलते ही अभिभावकों ने मिठाइयां बताकर खुशी मनाई। बताया प्राची श्रेणी में पहले भी कई बार मेडल जीत चुकी है। खुशी मनाने वाला में कप्तान सिंह ,विकी ,मोनू, शिवकुमार, रवि सैनी ,मोनी, राजेंद्र, अशोक, योगेश, जयपाल, रिंकू आदि शामिल थे।

पुलिस लाइन में किया परेड का प्रदर्शन

रोहतक। पुलिस लाइन में सोमवार की साप्ताहिक परेड का आयोजन किया गया। एसपी नरेंद्र बिजारणिया के दिशा निर्देशो अनुसार परेड व योगा का आयोजन किया गया। परेड में जिला प्रभारी थाना-चौकी, पुलिस कार्यालय ऑफिस व जिला में तैनात जवानों ने हिस्सा लिया। लॉ एंड आर्डर कंपनी को कानून व्यवस्था की विकट परिस्थिति से निपटने के लिए पुलिस लाइन में अभ्यास कराया गया। अभ्यास के दौरान जवानों ने दंगा निरोधक उपकरण लाठी-डंडा, कैन शिल्ड सहित जवानों को दंगा निरोधक उपकरण का बारिकी से अभ्यास कराया गया है। इसके अतिरिक्त रोहतक पुलिस द्वारा पुलिस लाइन में जवानों द्वारा योगाभ्यास किया गया।

महम। स्वास्थ्य जागरूकता संबंधी पोस्टर व पेंटिंग दिखाते मदीना आईटीआई के विद्यार्थी। *फोटो : हरिभूमि*

पेंटिंग बनाकर दिया नशे से दूर रहने का संदेश

महम। राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान मदीना में स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान आईटीआई के विद्यार्थियों ने एड्स, नशीली दवाओं की लत और तंबाकू विरोधी स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम चलाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉक्टर यामिका नोडल ऑफिसर द्वारा ऑनलाइन माध्यम से की गई। संस्थान के प्रधानाचार्य राजेश ने छात्रों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान आईटीआई के छात्र-छात्राओं ने पेंटिंग्स एवं चार्ट बनाकर नशे से दूर रहने का संदेश दिया। इस मौके पर अनुदेशक सचिन गांधी, निरंजन, सीमा व अनुज समेत आईटीआई के कई अनुदेशक मौजूद थे।

सुरक्षा-सतर्कता के लिए दिया सिविल डिफेंस का प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय की एनएसएस सेल द्वारा सिविल डिफेंस प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्वयंसेवकों को सुरक्षा, सतर्कता एवं राष्ट्र सेवा से जुड़ी आवश्यक जानकारी और व्यावहारिक प्रशिक्षण प्रदान करना रहा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गणित विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. जितेन्द्र सिंह सिक्का ने कहा कि समाज के प्रत्येक नागरिक को वर्दीधारी बलों के प्रति सम्मान और आभार का भाव रखना चाहिए, चाहे वे सीमा पर तैनात हमारे वीर सैनिक हों अथवा समाज की सेवा में समर्पित होम गार्ड व सिविल डिफेंस के कर्मठ सदस्य। जब हम अपने घरों में निश्चित रहते हैं, तो ये टीमें हमारी सुरक्षा की जिम्मेदारी बखूबी निभा रही होती हैं। एनएसएस कोऑर्डिनेटर प्रो. सविता राठी ने कहा कि वर्तमान समय में भारत-पाक संबंधों में व्याप्त तनाव के चलते देश के नागरिकों का सजग, सतर्क एवं प्रशिक्षित होना अति आवश्यक है। ऐसे में सिविल डिफेंस प्रशिक्षण राष्ट्र सेवा की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

बचाव तकनीकों का प्रदर्शन किया

सिविल डिफेंस टीम बिजेन्द्र राठी के नेतृत्व में प्रशिक्षण के लिए उपस्थित हुई। होम गार्ड टीम से मनोज हुड्डा ने प्रशिक्षण में 16 बचाव तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन किया गया, जिनमें से 8 एक व्यक्ति द्वारा किए जा सकते हैं और 8 दो व्यक्तियों द्वारा तकनीकें सम्मिलित रहीं। स्वयंसेवकों को अत्यंत प्रभावी एवं व्यावहारिक ढंग से विभिन्न बचाव तकनीकों फॉरवर्ड ड्रैग मेथड, फायरमैन लिफ्ट, पिगी बैक कैरी (पीठ पर लादकर), दो हाथों की कुर्सीनुमा विधि, तदर्थ स्ट्रेचर निर्माण, सिर-पैर उठाने की विधि का प्रदर्शन एवं अभ्यास करवाया। डॉ. मीनाक्षी हुड्डा, उप निदेशक, कैरियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल ने स्वयंसेवकों के सेवाभाव की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अंजू पंवार एवं डॉ. गुरदयाल द्वारा किया गया। मंच संचालन स्वयंसेवक मोनू ने किया। इस अवसर पर राघव, सुजीत, हार्दिक, पीयूष आदि मौजूद रहे।

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस समारोह का आयोजन

नर्सिंग केवल पेशा नहीं, बल्कि यह सेवा, त्याग और करुणा का जीवंत उदाहरण है : प्रो. वर्मा

एएनएम, जीएनएम और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों के छात्रों ने शपथ ली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पर केक काटते हुए छात्राएं, शिक्षक गण व साथ में कुलपति प्रो. डॉ. एच.एल. वर्मा। *फोटो : हरिभूमि*

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में नर्सिंग संकाय द्वारा अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर समारोह का आयोजन किया गया। यह अवसर नर्सिंग के महान पेशे को सम्मान देने और भावी नर्सों को उनके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों की याद दिलाने के लिए समर्पित रहा। एएनएम, जीएनएम और पोस्ट बेसिक बीएससी नर्सिंग पाठ्यक्रमों के छात्रों ने नर्सिंग शपथ ली, जिसमें मानव सेवा, करुणा और निष्ठा से अपने दायित्व निभाने का संकल्प लिया। नर्सिंग पेशे में कदम रखने वाली छात्राओं ने कैंडल्स जलाकर शपथ ली। शपथ दिलाने का कार्य कुलपति प्रो. एचएल वर्मा और नर्सिंग संकाय की प्राचार्य प्रो. कृष्णा देवी ने किया। उन्होंने छात्राओं को न केवल नर्सिंग की तकनीकी जिम्मेदारियों का बोध कराया, बल्कि मानवीय संवेदनाओं के साथ कार्य करने का संदेश भी दिया। कुलपति प्रो. डॉ. एचएल वर्मा ने कहा कि नर्स केवल एक पेशा नहीं, बल्कि यह सेवा, त्याग और करुणा का जीवंत उदाहरण है। नर्से ही वह आधार हैं, जिनके बिना स्वास्थ्य सेवाओं की कल्पना अधूरी है। कोरोना महामारी ने हमें यह सिखाया कि नर्से किस प्रकार अपने जीवन को खतरे में डालकर मानवता की सेवा करती हैं। कार्यक्रम के अंत में केक कटिंग समारोह भी आयोजित किया गया, जिसमें कुलपति डॉ. वर्मा ने छात्रों के साथ मिलकर केक काटा और सभी को इस विशेष दिन की शुभकामनाएं दीं।

ये रहे मौजूद

प्राचार्य प्रो. कृष्णा देवी ने कहा कि यह दिन न केवल नर्सिंग छात्राओं के लिए बल्कि पूरे बीएमयू परिवार के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने नर्सिंग को समाज का आधार बताते हुए कहा कि हमारी छात्राएं भविष्य में समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनेंगी। इस अवसर पर प्रो. एससी गक्खड़, डॉ. वीरेंद्र, डॉ. मीना रानी, मोनिका, कविता, मनीषा, कृष्णा भारद्वाज, शिवानी, कीर्ति, गुंजन, पूजा, पूनम, संतोष आदि उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य शिविर में 365 लोगों की हुई जांच

- पार्षद अंजू सैनी ने लगवाया निशुल्क चिकित्सा शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

वार्ड 8 की निगम पार्षद अंजू सैनी ने आयुष विभाग के सहयोग से सोमवार को सैनी धर्मशाला चमनपुरा में निशुल्क चिकित्सा शिविर लगवाया। शिविर में 365 मरीजों की जांच की गई। चिकित्सा शिविर का शुभारंभ जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. सतपाल ने किया। मेयर राम अवतार बाल्मीकि ने कहा कि आम जनता को ऐसे निःशुल्क चिकित्सा शिविरों का लाभ अवश्य लेना चाहिए। पार्षद अंजू सैनी ने बताया कि समाजसेवी व उद्योगपति वरुण इंद्रजीत सैनी के जन्मदिवस पर निशुल्क चिकित्सा शिविर लगाया गया। शिविर के आयोजन में डॉक्टर राजेश सैनी महासचिव सैनी बीएड कॉलेज का विशेष योगदान रहा। शिविर में आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच की गई और फ्री दवाइयां वितरित की गई। पार्षद अंजू सैनी ने वार्ड 8 के चमनपुरा में अपने कैंप कार्यालय का उद्घाटन किया। इस अवसर पर डॉ सविता, डॉ रेखा, डॉ शेफाली, डॉ शांतनु, डॉ अजय, फार्मासिस्ट जितेंद्र, रमेश, जितेंद्र, पंकज रहे।

टैलेंट ट्री स्कूल महम में मदर्स डे पर बच्चों की माताओं ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। प्रतियोगिता में विजेता रही माता को पुरस्कार प्रदान करते टैलेंट ट्री स्कूल के डायरेक्टर और साथ मौजूद प्रिंसिपल। *फोटो : हरिभूमि*

टैलेंट ट्री स्कूल महम में मदर्स डे पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान बच्चों की माताओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साह से हिस्सा लिया। माताओं के लिए डांस, सिंगिंग, प्ले, रैम्प वॉक, ब्लाइंड फोल्ड, बाउंसिंग बॉल जैसी अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इन प्रतियोगिताओं में बच्चों की माताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागी माताओं ने बताया कि यह पहली बार है जब किसी स्कूल में उनके लिए इस तरह का कार्यक्रम रखा गया। विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता रही माताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। स्कूल के बच्चों ने भी ग्रुप डांस मुकाबलों में भाग लिया। कक्षा 7, 8 और 9 के बच्चों ने माताओं के त्याग और समर्पण भाव को एक प्ले के माध्यम से दिखाया। स्कूल के प्रिंसिपल आदित्य श्रीवास्तव ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम न केवल हमारी संस्कृति और सभ्यता को दर्शाते हैं, बल्कि माताओं के त्याग और बलिदान को भी सम्मान देते हैं।

लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर कार्यशाला

- प्राचार्य डॉ संजय गुप्ता ने कहा कि वे अपने चारों तरफ लैंगिक भेदभाव देखते हैं, तो अत्यंत पीड़ा होती है

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

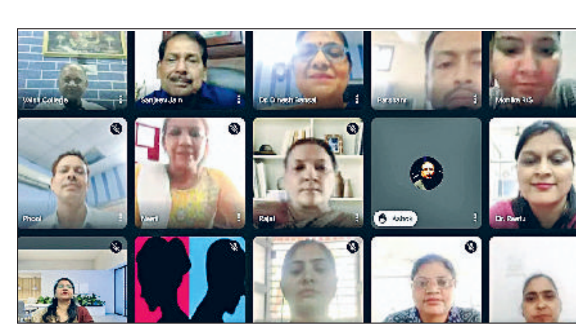

वैश्य महाविद्यालय में लैंगिक संवेदनशीलता विषय पर कार्यशाला का आयोजन आंतरिक शिकायत निवारण समिति एवं युनिवर्सिटी ग्रांट कमिशन कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में करवाया गया। प्राचार्य डॉ संजय गुप्ता ने कहा कि वे अपने चारों तरफ लैंगिक भेदभाव देखते हैं, तो अत्यंत पीड़ा होती है। इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन करवाने का उद्देश्य लैंगिक समानता के प्रति जागरुकता बढ़ाना है। कार्यशाला के प्रथम सत्र में बतौर वक्ता डॉ शालिनी सिंह, निदेशक वूमन स्टेडी सेंटर महर्षि दयानंद विश्व विद्यालय ने शिरकत की। उन्होंने कहा कि ग्लास सीलिंग अर्थात एक ऐसी अदृश्य दीवार जो महिलाओं को वे सब कार्य करने के लिए रोकती है जिन्हें समाज के दृष्टिकोण से महिलाएं नहीं कर सकती। समाज लैंगिक रूढियों और पूर्वाग्रहों से ग्रस्त है इसलिए लैंगिक समानता पर शिद्दत से कार्य करने की जरूरत है। संजीव जैन प्रमुख जिला एवं सत्र न्यायाधीश नई दिल्ली ने कहा कि दैनिक जीवन में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए हर प्रकार के कार्य के लिए लैंगिक न्यूट्रल शब्दों का प्रयोग किया जाना चाहिए। उदाहरणार्थ फायरमैन के लिए फायरफाइटरर्स, मैनकाईंड के लिए ह्यूमैनकाईंड, सेल्समैन के लिए सेल्स पर्सन, बिजनसमैन के लिए इंटरप्रिन्योर आदि शब्दों का प्रयोग एक सराहनीय कदम साबित हो सकता है। उन्होंने समाज में फीमेल की वास्तविक स्थिति का वर्णन करती अपनी स्वरचित कविता के माध्यम से अद्वितीय भाव रखे। उन्होंने कहा कि ईश्वर ने अनेक वस्तुओं प्राणियों में लिंग भेद बनाए हैं पर लिंग भेदभाव नहीं। उन्होंने कहा कि नर-नारी ईश्वर समझाई, एक बराबर है मेरे भाई। इस अवसर पर आईसीसी समन्वयक डॉ मोनिका गुप्ता, यूजीसी समन्वयक डॉ दिनेश रानी बंसल सहित डॉ फुल सिंह यादव, डॉ राजल गुप्ता, डॉ गीता गुप्ता, डॉ उन्मेष मिश्र, डॉ वीरेंद्र खुराना आदि मौजूद रहे।

पितरों की याद में रोहतक को बनाएंगे हरा भरा : मनीष ग्रोवर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और हरियाणा सरकार में पूर्व सहकारिता मंत्री रहे मनीष कुमार ग्रोवर ने एक नई सामाजिक मुहिम शुरू की है। पूर्व मंत्री ग्रोवर ने पितरों की याद में संगठन का निर्माण किया है, जो की नई पीढ़ी को पौधरोपण के लिए प्रेरित करेगा ताकि हर व्यक्ति अपने पूर्वजों से हमेशा जुड़ा रहे। शिवाजी कॉलोनी स्थित आर्य समाज मंदिर में संगठन की पहली बैठक हुई, जिसमें संगठन के सदस्यों ने सर्वसम्मति से पूर्व मंत्री ग्रोवर को प्रधान बनाया, जबकि आचार्य जितेंद्र को महासचिव और एडवोकेट अशोक पसरिजा को संगठन का कोषाध्यक्ष चुना गया है। पदाधिकारियों के चयन के बाद पूर्व मंत्री ग्रोवर ने कहा कि संगठन के सदस्यों ने जो जिम्मेदारी सौंपी है, उसके लिए वार्ड अनुसार लोगों को जागरूक करने का काम किया जाएगा। संगठन के सभी सदस्यों ने उन्हें आश्वस्त करते हुए कहा कि इस कार्य को हम सभी मिलकर अवश्य सार्थक करेंगे।

गोयल क्रिकेट क्लब ने विंग्स क्रिकेट अकादमी को चार विकेट से हराया

रोहतक। गोयल क्रिकेट क्लब ने सोमवार को हनुमंत क्रिकेट ग्राउंड पर खेले गए एक अभ्यास मैच में विंग्स क्रिकेट अकादमी को चार विकेट से हराया। मुकाबले में दोनों टीमों ने कड़ी प्रतिस्पर्धा दिखाई, लेकिन अंत में गोयल क्लब ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। टॉस जीतकर गोयल क्रिकेट क्लब ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। विंग्स क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 39.2 ओवर में 226 रन बनाए। उनकी ओर से हितेन कौशिक ने 79 रन और मोहित जांगड़ा ने 50 रनों का योगदान दिया। गोयल क्रिकेट क्लब के लिए साहित्य मलिक और आकाश रोहज ने तीन-तीन विकेट लेकर विपक्षी बल्लेबाजों को बांधकर रखा।

सहीराम स्कूल महम में धूमधाम से मनाया मदर्स डे, माताओं को किया पुरस्कृत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

महम। प्रतियोगिताओं में विजेता रही माताओं को पुरस्कृत करते सही राम स्कूल के शिक्षक। **फोटो : हरिभूमि**

भराण रोड स्थित द रॉयल सहीराम स्कूल में मदर्स डे बड़ी धूमधाम से मनाया गया। स्कूल के बच्चों ने मातृशक्ति को समर्पित फिल्मी गानों पर जमकर डांस किया। बच्चों की प्रस्तुति इतनी मनमोहक व शानदार थी, जिसको देखकर दर्शक तालियां बजाने पर मजबूर हो गए। मातृ दिवस के मौके पर माताओं के लिए कुछ मजेदार गेम्स भी रखे गए, जैसे कि म्यूजिकल चेयर, जलेबी ईटिंग, सुपर मॉम, तथा बच्चे के साथ मम्मी का डांस। खेलों में बच्चों की माताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर स्कूल डायरेक्टर डॉ. प्रदीप भारद्वाज, प्राचार्या शीला दूहन, वीरमति बामल, वीना व विरेंद्र बामल ने प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली विजेता माताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित कि या । डॉ. प्रदीप भारद्वाज ने मां को बच्चे का सबसे पहला गुरु बताया। कहा कि मां बच्चों के जीवन में अच्छे संस्कार डालकर उसके जीवन को स्वर्णिम कर सकती है।

मदवि में संवाद कार्यक्रम का आयोजन

युवाओं को नशे से दूर रहने को किया प्रेरित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्विद्यालय में युवाओं द्वारा समयसामयिक विषयों पे आयोजित संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के ओएसडी प्रचार गजेन्द्र फौगाट बतौर मुख्यातिथि पहुंचे। उन्होंने सभी युवाओं से बात करते हुए उनके मन को टटोला। यूनिवर्सिटी के युवा कल्याण विभाग में आयोजित कार्यक्रम में गजेन्द्र फौगाट का स्वागत करते हुए छात्र नेता मन्नू कुंडू ने कहा कि गजेंद्र फौगाट ने एमडीयू के छात्र रहते हुए 1999 में एमए में टॉप किया था। इसके अलावा गजेन्द्र फौगाट ने छात्र जीवन मे ही खेल में ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी में रजत पदक जीतने के साथ-साथ भारत के पहले रिएलिटी शो को जीता था। कार्यक्रम में युवाओं से संवाद करते हुए गजेंद्र फौगाट ने कहा कि आज प्रदेश की नायब सरकार युवाओं को सकारात्मक दिशा में ले जाने के लिए प्रयासरत है। उन्होंने युवाओं से संवाद किया और नशे से बचने बारे टिप्स दिए। इस दौरान उन्होंने युवाओं में डिप्रेशन, नशे की लत, भविष्य की असुरक्षा, अनुशासन व पढ़ाई के अलावा स्किल पर भी ध्यान देने पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पढ़ाई की किताबों के अलावा अपनी रुचिनुसार पुस्तकें पढ़ना, रोज 2 घण्टे शरीर की कसरत को देना आस पास की दुनिया की खबर के लिए अखबार पढ़ना जरूरी है। इस मौके पर मन्नू कुंडू, नवनीत हुड्डा, सौरभ मलिक, निशांत, संदीप, भूपेंद्र व अक्षय व अन्य ने उनका धन्यवाद किया।

DAV PUBLIC SCHOOL
DLF/KAMLA NAGAR, ROHTAK Phone 01262-269279, 238097
TENDER NOTICE
Sealed tenders on prescribed form of Rs.500/- (non-refundable) available in the school office on any working day between 9.00 a.m to 1.00 p.m. are invited from the experienced contractors for session 2025-2026 for **Security Agency and for hired vehicles (3 Mini vans, 2 Crusiers and 2 Traveller buses)**
The undersigned has the right to accept/reject any tender without assigning any reason. Any matter will be dealt with the jurisdiction of Rohtak.
Last date after 3rd day from date of advertisement.
PRINCIPAL MANAGER

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- BAMS 6
- PRO 5
- RMO 5

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

खबर संक्षेप

सुभाष नगर की वीना ने स्पेन में 2 पदक जीते

रोहतक। सुभाष नगर की एडवोकेट वीना मलिक ने पिछले दिनों स्पेन में हुई आईकेएमएफ वर्ल्ड प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए वैटरन कैटेगरी में देश के लिए एक सिल्वर और एक कांस्य पदक जीता। भारतीय टीम में पुरुष व महिला खिलाड़ी शामिल थे। भारतीय दल ने कुल मिलाकर 12 पदक हासिल किए हैं। वीना मलिक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं। इनका प्रदर्शन युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। ध्यान रहे कि मलिक ने जून 2023 में अपने दोनों घुटनों का ऑपरेशन करवाया था।

शिविर में 30 लोगों ने किया रक्तदान

रोहतक। देश भक्ति स्मारक स्थल अंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। राष्ट्र देवो भवः मिशन के संस्थापक संत बाबा सुखा शाह ने बताया कि शिविर में 30 लोगों ने रक्तदान किया। रक्तदाताओं को बैच तथा प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. रवि रंगा, डॉ. सोनल, पंकज कपूर, दुर्गा, रीना, राजेश दलाल, डॉ. लतेश, डॉ. तिलक आदि मौजूद रहे।

लेबर चौक पर मीठे पानी की छबील लगाई

रोहतक। श्री राधा रमण लाल जू के प्राकट्य उत्सव के उपलक्ष में श्री राधा नाम संग कीर्तन मंडल के द्वारा लेबर चौक पर मीठे पानी की छबील लगाई गई। श्री राधा नाम संग सेवा प्रकल्प के तत्वाधान में यह छबील लगाई गई। छबील का संचालन आशु चूघ, सचिन विज एवं प्रतीक सपड़ा ने किया।

सुनो नहरों की पुकार मिशन ने चलाया एनिमिया मुक्त अभियान

91 छात्राओं में हीमोग्लोबिन 8 से भी कम

- जिले के 9 कॉलेजों की 1271 में से 837 में मिली खून की कमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सुनो नहरों की पुकार मिशन द्वारा स्वास्थ्य विभाग और जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सहयोग से चलाए गए अभियान में जिले के 9 कॉलेजों की 1271 छात्राओं की एनिमिया जांच कर परामर्श व दवाईयां वितरित की गई। जांच में 837 छात्राओं में रक्त की कमी पाई गई और 434 छात्राओं में रक्त पूर्ण पाया गया। वहीं 91 छात्राओं में हीमोग्लोबिन 8 से भी कम पाया गया। एनीमिया फ्री अभियान के संयोजक अजय हुड्डा ने बताया कि यह अभियान सुनो नहरों की पुकार मिशन के मुख्य संरक्षक डॉ. जसमेर सिंह के मार्ग निर्देशन में चलाया गया। जिसमें मिशन के संरक्षक दीपक छारा, मुकेश नैनकवाल, स्वीटी मलिक, ईश्वर दलाल व रणबीर मलिक, हिमांशु लाकड़ा ने भी सहयोग दिया।

किस कॉलेज में कितनी छात्राएं मिली एनीमिक

अजय हुड्डा ने बताया कि इस अभियान का शुभारंभ जाट कॉलेज से किया गया, जिसमें 59 छात्राओं की जांच की गई। वहीं नेकीराम कॉलेज में लगाए गए कैंप में 308 छात्राओं की जांच की गई, जिनमें 152 छात्राएं एनीमिक पाई गई। इसके अलावा सीआर लॉ कॉलेज में 25 में से 17 छात्राएं एनीमिक मिली। गवर्नमेंट कॉलेज फॉर वुमन लाखनमाजरा में 174 छात्राओं की जांच की गई, जिसमें 130 एनीमिक पाई गई। राजकीय महिला कॉलेज सांपला में 172 छात्राओं में से 104, सैनी कॉलेज में 28 छात्राओं में से 20, राजकीय महिला महाविद्यालय में 165 छात्राओं में से 149 और वैश्य महिला महाविद्यालय में 168 छात्राओं में से 132 छात्राएं एनीमिक पाई गई। एनीमिक पाई गई छात्राओं की काउंसलिंग की गई और खाने को लेकर उचित परामर्श भी दिया। शिविर में जिला रेडक्रॉस सोसायटी का विशेष सहयोग रहा। अजय हुड्डा ने बताया कि एचबी कम होने पर फूलगोभी, केले, बंदगोभी, मसूर की दाल, टोफू, बेक्ड आलू, पालक, बींस का सेवन करना लाभदायक होता है। पत्तेदार सब्जियां भी खाने से लाभ मिलता है।

वॉलीबॉल में कारगिल हाउस विजयी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

द आर्यन ग्लोबल विद्यालय में कक्षा नौवीं से बारहवीं के छात्रों के बीच अन्तःगृह वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल विभाग के अध्यक्ष जयवीर, खेल शिक्षिका दुर्गा व कैप्टन सत्यवान की अगुआई में प्रतियोगिता संपन्न हुई। प्रतियोगिता में कारगिल हाउस की टीम ने विजय हासिल की। सभी खिलाड़ियों ने विजेता टीम को बधाई दी। प्रधानाचार्य आरके खन्ना ने सभी खिलाड़ियों का हौंसला बढ़ाया व विजयी टीम के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हॉस्पिटैलिटी और ट्रैवल इंडस्ट्री शानदार करियर विकल्प : दहिया

युवाओं के लिए ग्लोबल पासपोर्ट बन चुकी है हॉस्पिटैलिटी-टूरिज्म इंडस्ट्री

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ होटल एंड टूरिज्म मैनेजमेंट (आईएचटीएम) के निदेशक प्रो. आशीष दहिया ने सोमवार को युवाओं का ग्लोबल पासपोर्ट हॉस्पिटैलिटी और ट्रैवल इंडस्ट्री 12वीं के बाद शानदार करियर विकल्प विषय पर खुला सत्र आयोजित किया। उन्होंने कहा कि सीबीएसई के 12वीं के परिणाम शीघ्र आने की सम्भावना है। यह वही क्षण है जब विद्यार्थी पारंपरिक धारणाओं से आगे बढ़कर रोमांचक करियर की राह चुन सकते हैं और हॉस्पिटैलिटी-टूरिज्म उनमें सुनहरा अवसर देता है। भारत की हॉस्पिटैलिटी और ट्रैवल इंडस्ट्री देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में महत्वपूर्ण योगदान करती है और हर साल लाखों नई नौकरियां सृजित कर रही है। यात्राओं में आई तेज़ी, वैश्विक आयोजनों और डिजिटल बुकिंग प्लेटफ़ॉर्म्स ने इस क्षेत्र को और मजबूती दी है। विदेश घूमने-फिरने का जुनून हो या अपने शहर में पर्यटकों को आतिथ्य का अनुभव

निदेशक प्रो. आशीष दहिया

कराना, यह इंडस्ट्री युवाओं के लिए ग्लोबल पासपोर्ट बन चुकी है। आज ताज होटल जैसे भारतीय होटल ब्रांड पूरे विश्व में अपना लोहा मनवा चुके हैं, इसके अतिरिक्त ललित, आईटीसी, बीकानेरवाला, हल्दीराम, मेक माई ट्रिप, यात्रा आदि जैसे भारतीय आतिथ्य और पर्यटन समूह अपनी अविश्वसनीय सेवा के लिए जाने जाते हैं।

जरूरी कौशल

संचार एवं सॉफ्ट-स्किल, विदेशी भाषा, डिजिटल सजगता, कलिनरी एवं सर्विस स्किल, टीम वर्क और यात्रा का जुनून, ये सभी गुण आपको वैश्विक मंच पर आगे ले जाते हैं।

12वीं के बाद प्रमुख पाठ्यक्रम

- बीएचएमसीटी (बैचलर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी)
- बीटीटीएम (पर्यटन एवं यात्रा प्रबंधन स्नातक)
- पांच वर्षीय इंटीग्रेटेड एमएचएमसीटी (मास्टर ऑफ होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टेक्नोलॉजी)
- डिप्लोमा प्रोग्राम- फ़ूड प्रोडक्शन, बेकरी, हाउसकीपिंग, फ्रंस ऑफ़िस
- सर्टिफ़िकेट कोर्स- फ़ूड ट्रक ऑपरेशंस, टूर गाइडिंग, कलिनरी आर्ट
- वैल्यू-ऐडेड स्किल्स- बारिस्ता, मिक्सोलॉजी, डिजिटल कंटेंट क्रिएशन

हरियाणा में हॉस्पिटैलिटी और ट्रैवल में शिक्षा के अवसर

- महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक - इंस्टीट्यूट ऑफ़ होटल एंड टूरिज़्म मैनेजमेंट,
- कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय - पर्यटन व होटल प्रबंधन विभाग
- भगत फूल सिंह महिला विश्वविद्यालय, खानपुरकलां
- इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय, रेवाड़ी
- सीआरएस विश्वविद्यालय, जींद
- स्टेट आईएचएम (रोहतक, पानीपत, कुरुक्षेत्र, फरीदाबाद, यमुनानगर)
- राजकीय महाविद्यालय गुरूग्राम, फ़रीदाबाद, करनाल, नरवाना

वेतन, इंटर्नशिप व करियर पथ

शुरुआती पैकेज 18,000 से 70,000 मासिक (संस्था व उम्मीदवार प्रोफ़ाइल पर निर्भर) तक मिलता है। प्रबंधन-प्रशिक्षु योजनाएं तेज़ प्रमोशन का मार्ग खोलती हैं और अंतरराष्ट्रीय शिप-क्रूज़ या एयरलाइन इंटर्नशिप दुनिया भर में नेटवर्क बनाती हैं। उद्यमिता के शौक़ीन युवाओं के लिए फ़ूड ट्रक, होमस्टे, ऑनलाइन ट्रैवल सर्विसेज़ और इवेंट कैटरिंग असीम संभावनाएं प्रस्तुत करते हैं।

भविष्य के ट्रेंड

एआई-समर्थित स्मार्ट-होटल, ग्रीन टूरिज़्म, सांस्कृतिक इमर्सिव एक्सपीरियंस, डेस्टिनेशन वेडिंग्स, आउटडोर कैटरिंग, एमआईसीइ और ऑनलाइन ट्रैवल सर्विसेज़ सबसे तेज़ उभरते उपखंड हैं। प्रो. दहिया ने कहा कि अगर आप रचनात्मक कार्य, लोगों से जुड़ने और विश्व भ्रमण का आनंद लेना चाहते हैं तो हॉस्पिटैलिटी-टूरिज़्म आपके सपनों का रन-वे है, अपनी उड़ान भरें।

कविता, भाषण, नृत्य की प्रस्तुतियों से मातृशक्ति को दिया सम्मान

- पठानिया पब्लिक स्कूल में विषेष प्रार्थना सभा का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पठानिया पब्लिक स्कूल में मातृषक्ति को नमन करने के लिए विषेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। मंच संचालन तनु, काव्या, अद्विका व विभोर ने किया। प्रार्थना सभा में कविता, भाषण व नृत्य की प्रस्तुति द्वारा मातृशक्ति को नमन किया गया। लखविन्दर, यश, वंशिका, हरसिद्धि, सीरत और अमिषा की प्रस्तुति ने सभी को भाव-विभोर कर दिया। इस अवसर पर आमन्त्रित माताओं के लिए स्कूल सभागार में गुड पेरेंटिंग पर व्याख्यान, तम्बोला तथा विभिन्न मनोरंजक गतिविधियां आयोजित की गई। मुख्य वक्ता शिक्षाविद् व कोच नीरजा ने अभिभावकों को गुड़ पेरेंटिंग के बारे में अहम जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों के शारीरिक, मानसिक व सामाजिक कौशल के विकास के लिए एक मां की भूमिका बहुत अहम है तथा वर्तमान समय में बच्चों को संस्कारों से पोषित करने की आवश्यकता है। प्रधानाचार्या तन्वी पठानिया ने कहा कि मां के बिना जीवन अधूरा है। इस अवसर पर स्कूल निदेशक अंशुल पठानिया, स्कूल को-फाउण्डर वर्षा पठानिया, उप-प्रधानाचार्या प्रीति ढांडा, सुनीता मोर, हैड मिस्ट्रेस सुमन राठी, समन्वयक रजनी गुलाटी, कोमल बुट्टन आदि उपस्थित रहे।

बुद्ध पूर्णिमा पर भंडारे का किया आयोजन

सांपला। सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा को लेकर कस्बे में भंडारा लगाया गया। सुबह भगवान बुद्ध को याद किया गया। पीपल के वृक्ष की पूजा अर्चना की। उसके बाद पुरानी अनाज मंडी में भंडारा लगाया गया। जिसमें हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। श्रवण बंसल ने कहा कि लोगों ने भगवान बुद्ध की शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए और समाज के लिए सेवा करनी चाहिए । ताकि आपसी प्रेम भावना पैदा हो।

उपकार हाई स्कूल में मनाया मातृदिवस

रोहतक। गोहाना रोड स्थित उपकार होई स्कूल में मातृ दिवस मनाया गया। कक्षा नर्सरी के नन्हे मुन्ने बच्चों ने गणेश वंदना प्रस्तुत की। कक्षा पहली से लेकर कक्षा दसवी तक के सभी विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम में हिस्सा लिया। माताओं के लिए रैंप वॉक, टंग ट्विस्टर, कम समय में बालिकाओं को अच्छे से तैयार करना जैसी प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। सभी प्रतिभागियों को उपहार देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डॉ. विजय कायत, डॉ. निर्मला कायत, मुख्य अतिथि डॉ. रेणु, डॉ. प्रतिया कायत, डॉ. सुमन रानी, डॉ. नरेश कुमारी, मुख्य अध्यापिका लक्ष्मी त्यागी, प्रबंध निदेशक वैभव कायत, रेनू नंदनी आदि मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

जॉन वेस्ले कॉन्वेंट के विद्यार्थियों ने आर्ट एग्जीबिशन का किया अवलोकन

- बच्चे कला को प्रत्यक्ष रूप में देखते हैं, तो उनमें सोचने और कल्पना करने की क्षमता विकसित होती : प्रधानाचार्या ममता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोहाना रोड स्थित जॉन वेस्ले कॉन्वेंट की कक्षा छठी और सातवीं के विद्यार्थियों ने सुपवा में आयोजित आर्ट एग्जीबिशन का शैक्षणिक भ्रमण किया। इस भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों को कला की विभिन्न विधाओं से परिचित कराना और उनके रचनात्मक दृष्टिकोण को प्रोत्साहित करना रहा। एग्ज़ीबिशन में विद्यार्थियों ने चित्रकला, मूर्तिकला, ग्राफिक डिज़ाइन, फैशन डिज़ाइन, एनिमेशन, फोटोग्राफी और अन्य दृश्य कलाओं के उत्कृष्ट नमूनों का अवलोकन किया। छात्रों ने न केवल विभिन्न कलात्मक कृतियों को देखा, बल्कि उन्होंने वहां उपस्थित प्रशिक्षकों और छात्रों से चर्चा कर कला निर्माण की प्रक्रिया और विचारधाराओं को भी जाना। प्रधानाचार्या डॉ ममता मलिक ने कहा कि जब बच्चे कला को प्रत्यक्ष रूप में देखते हैं, तो उनमें सोचने और कल्पना करने की क्षमता विकसित होती है। इस अवसर पर रितु खुराना, रवनीत, सुरेखा, सुमन आदि उपस्थित रहे।

शिक्षक सकारात्मक व्यवहार प्रभावशाली शिक्षण में निभा सकता अहम भूमिका

सांगवान स्कूल में शिक्षक प्रशिक्षण समारोह आयोजित

- इस तरह की ट्रेनिंग से शिक्षक अपडेट होते और शिक्षा की तकनीक में होता सुधार : प्राचार्य

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शिक्षा में नवाचार और सुधार लाने के लिए सांगवान इंटरनेशनल स्कूल में शिक्षक प्रशिक्षण के लिए स्कूल प्रबंधक राजेश सांगवान की अध्यक्षता में सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें रिसोर्स पर्सन ऋतु विज द्वारा ट्रेनिंग सत्र आयोजित किया गया, जिसका विषय क्लासरूम मैनेजमेंट रहा। यह प्रशिक्षण सत्र सीबीएसई की निर्देशानुसार 25 घंटे की इन हाउस ट्रेनिंग के अंतर्गत आता है। इस प्रशिक्षण में अध्यापकों को सिखाया गया कि कैसे वे बच्चों को मानसिक तनाव से दूर रखते हुए और कक्षा में अनुशासन को बनाए रखते हुए बच्चों को प्रेरित करके एक प्रभावशाली शिक्षण को कार्यान्वित कर सकते हैं। प्रशिक्षण के दौरान उन्होंने बताया कि विद्यार्थियों के प्रति एक शिक्षक का मधुर और सकारात्मक व्यवहार प्रभावशाली शिक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि हर बच्चे में कोई ना कोई प्रतिभा जरूर छुपी होती है, आवश्यकता होती है तो उसे पहचान कर बाहर निकालने की। इस सेमिनार में स्कूल के सभी अध्यापकों और स्कूल कोऑर्डिनेटर प्रमिला सांगवान ने भी भाग लिया। स्कूल प्रधानाचार्य मनीषा सांगवान ने बताया कि इस तरह की ट्रेनिंग से शिक्षक अपडेट होते हैं और शिक्षा की तकनीक में सुधार होता है।

कार्यक्रम | बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय में क्वांटम डॉट्स विषय पर व्याख्यान

कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शोधार्थियों को नवीनतम वैज्ञानिक अवधारणाओं से अवगत करवाना है

चिकित्सा, ऊर्जा, प्रकाशीय यंत्रों एवं संचार तकनीकों में क्वांटम डॉट्स के अनुप्रयोगों को उदाहरणों से समझाया

- कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण भट्ट ने की
- डॉ. मीनाक्षी ने कार्यक्रम में किया मंच का संचालन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय अस्थल बोहर के विज्ञान संकाय के भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा विशेषज्ञ व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस शैक्षणिक कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों और शोधार्थियों को नवीनतम वैज्ञानिक अवधारणाओं से अवगत कराना रहा। मुख्य वक्ता डॉ. सुमिंदा भौतिक विज्ञान विभाग, एआईजेएचएम कॉलेज एमडीयू ने क्वांटम डॉट्स विषय पर ज्ञानवर्धक, शोधपरक एवं प्रेरणादायक व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने क्वांटम डॉट्स की मूल अवधारणाओं को सरल भाषा में स्पष्ट करते हुए उनकी भौतिक और रासायनिक विशेषताओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि किस प्रकार ये नैनोस्केल अर्धचालक कण आधुनिक विज्ञान में क्रांतिकारी भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने चिकित्सा, ऊर्जा, प्रकाशीय यंत्रों एवं संचार तकनीकों में क्वांटम डॉट्स के अनुप्रयोगों को रोचक उदाहरणों के माध्यम से समझाया। कार्यक्रम की शुरुआत विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण भट्ट ने की, जबकि मंच का संचालन डॉ. मीनाक्षी ने किया। डॉ. विकास भारद्वाज एवं डॉ. संगीता मलिक ने प्रश्नोत्तर सत्र में विद्यार्थियों और शोधार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विज्ञान संकाय के डीन डॉ. मनोज कुमार ने इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों की निरंतरता पर बल दिया।

रोहतक। बाबा मस्तनाथ विश्वविद्यालय रोहतक में भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम के अवसर पर उपस्थित शिक्षक। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर प्रो. रवि कुमार राणा, डॉ. पल्लवी भारद्वाज, डॉ. सुनीता दहिया, डॉ. मीनाक्षी, डॉ. सोनिया सहित विज्ञान संकाय के वरिष्ठ शिक्षक उपस्थित रहे।